उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,

हल्द्वानी

महत्वपूर्ण उपलब्धियॉ

माह नवम्बर, 2019

बी.एड. (विशेष शिक्षा) सत्र 2019 के प्रथम सेमेस्टर की सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उत्तराखंड मुक्त विश्वविध्यालय के हल्द्वानी व देहरादून परिसर स्थित माडॅल अध्ययन केंद्रो मे बी.एड. (विशेष शिक्षा) सत्र 2019 के प्रथम सेमेस्टर के अधिगम अक्षमता एवं मानसिक मंदता में अध्ययनरत छात्रों की सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हल्द्वानी में दिनांक 4-10 नवम्बर, 2019 ओर देहरादून में श्री गुरु राम राय स्नातकोत्तर महाविध्यालय में 18-24 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी।

कार्यशाला को संबोधित करते प्रो0 शुक्ल।

हल्द्वानी में दिनांक 4-10 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी सात दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन शिक्षाशास्त्र के निदेशक प्रो. एच.पी. शुक्ल द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में छात्रों को पाठयक्रम की उपयोगिता के विषय मे बताते हुये समाज मे दिव्यांगों के प्रति संवेदनशीलता का परिचय दिया। देहरादून में श्री गुरु राम राय स्नातकोत्तर महाविध्यालय में 18-24 नवम्बर, 2019 तक आयोजित की गयी कार्यशाला का उद्घाटन महाविध्यालय के प्राचार्य डॉ विनय आनंद बोडाई व क्षेत्रीय निदेशक डॉ संदीप नेगी द्वारा किया गया।

कार्यशाला में डॉ विनोद कैन , सहायक प्राध्यापक, NIEPVD, देहरादून द्वारा प्रतिभागियों को नेत्र की क्रिया विधि नेत्र से सम्बंधित विकार ओर समस्याएं व उनका उपचार सम्बंधी व्याख्यान दिया। नेत्रहीन बालक के शैक्षिक पाठयक्रम के विषय में बताया। RVTTI, बरेली के सहायक प्राध्यापक डॉ सतीश चंद्रा द्वारा कान के श्रवण की प्रक्रिया के विषय मे बताने के साथ मूक-बधिर होने के कारणों की चर्चा की। डॉ सिद्धार्थ पोखरियाल द्वारा मानसिक मंदता के विषय, प्रकार, ओर होने के कारण के विषय में बताया। डॉ कल्पना लखेडा ने शिक्षा मनोविज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों के बारे मे अपना व्याख्यान दिया।

कार्यशाला से संबंधित जानकारी देते बी0एड0 विशिष्ठ षिक्षा के समन्वयक डा0 पोखरियाल।

डॉ दिनेश कुमार ने शिक्षा क्या है? शिक्षा के समाजशास्त्रीय रूप के विषय मे बताया। डॉ मनीषा पंत ने विभिन्न शिक्षा आयोग व सिद्धांतो के बारे में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। दिल्ली से आयी डॉ सुनिता देवी ने स्वलीनता (आटिज्म) के होने के कारण, प्रकार व समस्या ओर उसके उपचार की जानकारी दी। क्लिनीकल साइकोलोजिस्ट नीतू शर्मा ने प्रमस्तिक पक्षाघात (सेरेब्रेल पाल्सी) के होने के कारण, प्रकार व समस्या ओर उसके उपचार की जानकारी दी।

कार्यशाला के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग करते मा0 कुलपति जी व अन्य

दिल्ली विवि की डॉ शिवानी जैन द्वारा विभिन्न शिक्षा शास्त्रियों के शिक्षा सिद्धांतो व दर्शन के बारे मे अपना व्याख्यान दिया। हल्द्वानी कार्यशाला का समापन सक्षम के उत्तराखंड प्रभारी श्री राम मिश्र द्वारा किया गया। देहरादून कार्यशाला का समापन सक्षम के उत्तराखंड प्रांत उपाध्यक्ष डॉ आर के गुप्ता व मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीमती आशा पैन्यूली द्वारा किया गया। मुख्य शिक्षा अधिकारी श्रीमती आशा पैन्यूली द्वारा अपने उद्बोधन में एक शिक्षक के लिये अपनी वेशभूषा, आचरण ओर पढाने की तकनीक को बेहतर बनाने पर जोर दिया। कार्यशाला में प्रतिदिन छात्रो द्वारा दैनिक प्रार्थना, राष्ट्रगान व दैनिक विचार से सम्बंधित पाठयोत्तर क्रियाकलाप भी किये गये, जिनका अवलोकन माननीय कुलपति प्रो. ओम प्रकाश नेगी जी व कुलसचिव श्री भरत सिहं द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ

विश्वविद्यालय की परिनियमावली की व्यवस्थानुसार विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षन्त समारोह दिनांक 03 दिसम्बर, 2019 को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। नियत तिथि के संबंध में श्री राज्यपाल/कुलाधिपति महोदया द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है।

विश्वविद्यालय में वर्ष 2017–18 में पीएच0डी0(शोध उपाधि)/ स्नातक/ स्नातकोत्तर/पी0जी0 डिप्लोमा/डिप्लोमा/ प्रमाण–पत्र/ स्नातक एकल विषय में 8,404 तथा वर्ष 2018–19 में उक्त पाठ्यक्रमों में 14,246 कुल 22,650 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुये हैं। विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण कुल 19,792 विद्यार्थियों को दीक्षान्त समारोह में उपाधियां एवं 48 स्वर्ण पदक प्रदान किये जाने है।

उक्त के अतिरिक्त 02 विशिष्ट व्यक्तियों–पंडित श्री विद्यादत्त शर्मा (उनियाल) तथा श्री लवराज सिंह धर्मशक्तु, असिस्टेंट कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल को विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह में मानद उपाधि प्रदान की जानी है।

दीक्षान्त समारोह की तैयारियों हेतु विभिन्न समितियों/उपसमितियों का निर्माण किया गया है तथा मा0 कुलपति जी की अध्यक्षता में दिनांक 1/12/2019 को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

शोध एवं नवाचार

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती मनीषा पन्त, (नामांकन संख्या–13040699), की विभागीय शोध सलाहकार समिति की बैठक, दिनांक **14 अक्टूबर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं। बैठक में समिति द्वारा शोधार्थी की मौखिकी परीक्षा का आयोजन कराये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती प्रमिला सुयाल, (नामांकन संख्या–13042620), की विभागीय शोध सलाहकार समिति की बैठक, दिनांक **18 अक्टूबर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं। बैठक में समिति द्वारा शोधार्थी की मौखिकी परीक्षा का आयोजन कराये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्री दिनेश चन्द्र काण्डपाल, (नामांकन संख्या–12027660), की पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा, दिनांक **15 नवम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती प्रियंका सांगुड़ी फुलारा, (नामांकन संख्या–13040404), की पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा, दिनांक **19 नवम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्री भुवन चन्द्र तिवारी, (नामांकन संख्या–12027911), की पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा, दिनांक **25 नवम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती मनीषा पन्त, (नामांकन संख्या–13040699), की पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा, दिनांक **26 नवम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधार्थी श्रीमती प्रमिला सुयाल, (नामांकन संख्या–13042620), की पीएच0डी0 मौखिक परीक्षा, दिनांक **26 नवम्बर 2019** को सम्पन्न करा ली गयी हैं।

परीक्षा

विश्वविद्यालय की वार्षिक/सेमेस्टर परीक्षाएँ दिनांक 16 दिसम्बर 19 से 13 जनवरी 20 तक 46 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित हो रही हैं जिनका परीक्षा कार्यक्रम जारी कर संबंधित सूचना विश्वविद्यालय की वेबसाईट में उपलब्ध कराया गया। समस्त अध्ययन केन्द्रों, क्षेत्रीय कार्यालयों को इमेल एवं परीक्षार्थियों को एस0एम0एस0 के माध्यम से सूचना प्रेषित कर दी गई है।

विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह दिनांक 03 दिसंबर, 2019 हेतु सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की सूची तैयार कर विद्यापरिषद/कार्यपरिषद की बैठक में प्रस्तुत किये जाने हेतु तैयार की गई।

नवम्बर माह में ऑनलाईन ऑफलाईन के माध्यम से आवेदित 07 मूल उपाधियॉ एवं 151 अन्तरिम उपाधि/अनापत्ति प्रमाणपत्र/सत्यापन वाहक/डाक से प्रेषित की गई।

प्रवेश

विश्वविद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ करने के उपरांत दिनांक 30 सितम्बर, 2019 तक 69,670 विद्यार्थियों द्वारा प्रवेश लिया गया है।

ग्रीष्मकालीन सत्र 2018-19 में विश्वविद्यालय के विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों में विद्यार्थियों के प्रवेश की अद्यतन स्थिति निम्न है-

Region	Total
Dehradun	19181
Roorkee	7922
Pauri	4400
Haldwani	18710
Uttarkashi	5520
Ranikhet	7429
Pithoragarh	3648
Bageshwar	2860
Total	69670

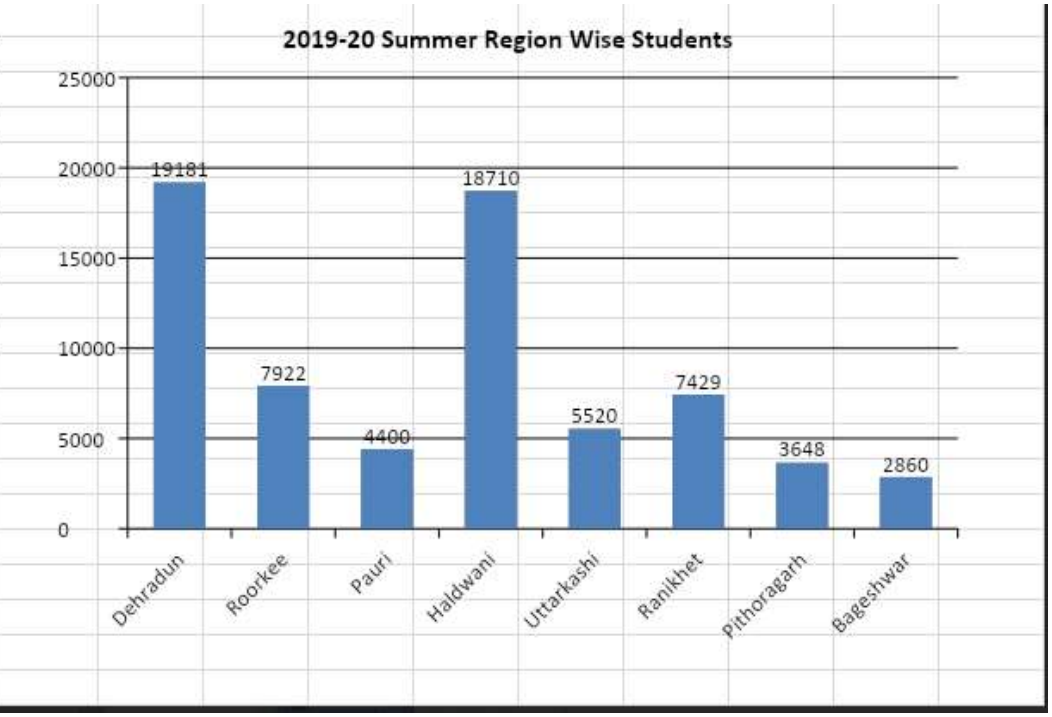

पाठ्य सामग्री वितरण

विश्वविद्यालय में पंजीकृत छात्रों को अध्ययन सामग्री प्रदान की जाती है। विश्वविद्यालय के ग्रीष्मकालीन सत्र 2019–20 में पंजीकृत छात्रों को प्रेषित अध्ययन सामग्री का विवरण निम्नवत् है–

Total Students (Books To be Issued)	68784
Regional Centre	**Issued Books**
11 Dehradun	11249
12 Roorkee	4925
14 Pauri	2362
15 Uttar Kashi	3897
16 Haldwani	8800
17 Ranikhet	4712
18 Pithcragarh	746
19 Bageshwar	1480
Books Packed/Dispatched For	38171

अन्य अकादमिक गतिविधियॉ

- दिनांक 29/11/2019 को उच्च शिक्षा, उत्तराखण्ड शासन द्वारा आयोजित राज्य के शासकीय विश्वविद्यालयों हेतु अम्ब्रेला एक्ट, 2019 प्रख्यापित करने हेतु बैठक में मा0 कुलपति जी द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- मा0 कुलपति जी द्वारा दिनांक 16–17 नवम्बर, 2019 को माता वैष्णौ देवी विश्वविद्यालय, कटरा द्वारा आयोजित दो दिवसीय "North Zone Vice Chancellors' Meet-2019-20" में प्रतिभाग किया गया।
- The research paper entitled "Assessing cybersecurity maturity of organizations: An empirical investigation in the Indian context" co-authored by Dr. Jeetendra Pande, Assistant Professor- Computer Science is published in Information Security Journal: A Global Perspective, Taylor & Francis which is a SCOPUS and ESCI indexed journal.

सकारात्मक विचारों से जीवन में बदलाव संभव : कर्नाटक

भाई सिटी रिपोर्टर

भीमताल (नैनीताल)। ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में यूसर्क और उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी की ओर से आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यशाला में अंतिम दिन मुख्य अतिथि गैस अथारिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. आशुतोष कर्नाटक रहे। डॉ. कर्नाटक ने बताया कि सकारात्मक विचारों से मनुष्य अपने जीवन को बदल सकता है। यू-सर्क निदेशक प्रो दुर्गेश पंत ने बताया कि विज्ञान के क्षेत्र में यूसर्क नई तकनीकों के तहत विभिन्न योजनाओं में काम कर रहा है। रिसोर्स पर्सन प्रो. अशोक देशराज पांडे ने फजी तकनीक के बारे में अवगत कराया। कोऑर्डिनेटर डॉ. एमसी लोहनी ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान यूसर्क वैज्ञानिक डॉ. राजेंद्र राणा, डॉ. संदीप बुधानी, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. जन्मेजय पंत, प्रो. पुरुषोत्तम दास, डॉ. सुधांशु मौर्य, प्रो. गोविंद सिंह, प्रो. ओम जोशी, हिमांशु जोशी आदि रहे।

कार्यशाला में बोलते प्रवक्ता।

- School of Computer Science & IT in collaboration with Graphic Era Hill University, Bhimtal organized a faculty development workshop on "Computing with Words via with Fuzzy Logic with applications" from 26-29, November 2019 at Bhimtal.

- **डॉ0 गगन सिंह, सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)** द्वारा यूजीसी–एच.आर.डी.सी., हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में दिनांक 04 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2019 तक आयोजित **Refresher Course on Commerce & Management (RC-316)** में प्रतिभाग किया गया।

- **डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, सहायक प्राध्यापक (कृषि)** द्वारा उच्च संकाय प्रशिक्षण केन्द्र, कृषि विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में दिनांक 20 नवम्बर से 10 दिसम्बर, 2019 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम विषयक **'Agronomic interventions for augmenting food, nutrition and farmers income'** में प्रतिभाग किया गया।

- डॉ0 नन्दन कुमार तिवारी, सहायक प्रध्यापक, ज्योतिष द्वारा दिनांक 19 नवम्बर 2019 को उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी एवं उत्तराखण्ड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में हल्द्वानी स्थित कपिलाश्रमी संस्कृत महाविद्यालय में आयोजित एकमासिक ज्योतिष-पौरोहित्य प्रशिक्षण में **'विशिष्ट अतिथि/मुख्य वक्ता'** के रूप में '**ज्योतिष एवं पौरोहित्य**'विषय पर अपना व्याख्यान दिया।

- Dr. Kamal Devlal, Asst. Professor, Physics Attended and presented paper in National Conference on "Fit India: Holistic health care for quality life" on 19th November, 2019 at PLSM Government PG College, Rishikesh, Dehradun, Uttarakhand.
- Dr. Kamal Devlal, Asst. Professor, Physics Attended and presented paper in National Conference on "Geology and Natural Resources of Himalaya" on 25th and 26th November, 2019 at PLSM Government PG College, Rishikesh, Dehradun, Uttarakhand.
- Dr. Charu Pant, Academic Consultant Participate in a National conference on **Fit- India "Holistic health care for quality life"** at Govt. PG College Rishikesh on dated November, 2019.
- Dr. Charu Pant, Academic Consultant Presenting a research paper (Title: *Biodiversity in Himalayan region*) on "National conference on Geology and nature resources in Himalaya" at Govt. PG College Rishikesh on dated 25, 26 November, 2019. .
- Dr. Meenakshi Rana, Academic Consultant presented Paper in National Seminar on Progression and innovation in Higher Education, on November 16, 2019 at MBPG Haldwani.
- Dr. Meenakshi Rana, Academic Consultant Attended National Seminar on Leveraging New Technology for Reimaging Education, on November 22, 2019 at MIET group of institution, Haldwani.
- Dr. Meenakshi Rana, Academic Consultant Attended National Seminar on Geology and Natural Resources of Himalaya, on November 25-26, 2019 at Pt. LMS Govt. College, Rishikesh, Dehradun.

- Dr. Rajesh Mathpal, Academic Consultant presented Paper in National Seminar on Progression and innovation in Higher Education, on November 16, 2019 at MBPG Haldwani.
- Dr. Rajesh Mathpal, Academic Consultant Attended National Seminar on Leveraging New Technology for Reimaging Education, on November 22, 2019 at MIET group of institution, Haldwani.

अन्य गतिविधियॉ

माह नवम्बर, 2019 में उपरोक्त प्रमुख कार्यकलापों के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षान्त समारोह से सम्बन्धित तैयारियॉ, हैलो हल्द्वानी, रेडियों कार्यक्रमों का निर्माण, शिक्षकों द्वारा ईकाई लेखन, पाठ्यक्रमों में सुधार/ संशोधन, अध्ययन सामग्री/ पुस्तकों की संचरना/ प्रकाशन आदि कार्य किए जा रहे है। विद्याशाखाओं के शिक्षकों के व्याख्यानों की वीडियो रिकार्डिंग, विद्यार्थियों तक पुस्तकों एवं पाठ्य सामग्री की आपूर्ति, सूचना अधिकार कानून के अन्तर्गत सूचनाओं की आपूर्ति, विद्यार्थियों को वांछित प्रमाणपत्रों का अविलम्ब निर्गमन आदि कार्य संपन्न किए गये।

(विश्वविद्यालय की गतिविधियों से संबंधित मीडिया कवरेज संलग्न है- क)

संलग्नक-क

राष्ट्रीय सहारा

संस्थागत व दूरस्थ शिक्षण संस्थान आने वाली चुनौती के लिए तैयार रहें : डा. अविचल

सालाना जलसे पर दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि, कुलपति एवं विशिष्ट अतिथि।

■ हल्द्वानी (एसएनबी)।

यूजीसी दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के संयुक्त सचिव डा.अविचल कपूर ने आज कहा कि संस्थागत एवं दूरस्थ शिक्षण संस्थानों को बदलते परिवेश के आधार पर स्तरीय शिक्षण

जनवरी से ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था को दी जा रही मान्यता, अब गुणवत्ता और स्तरीय शिक्षण संस्थानों का दौर

संस्थागत एवं दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था में विभेदकारी काम कठोर सजा दिला सकता है

व्यवस्थाएं तैयार करनी होंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय जनवरी से ऑनलाइन शिक्षा को मान्यता देने जा रहा है। इसके बाद प्रतिस्पर्धी शिक्षण व्यवस्था में केवल गुणवत्ता का बोलबाला रहेगा।

उन्होंने कहा कि यूजीसी ने संस्थागत एवं दूरस्थ प्रणाली से उत्तीर्ण छात्रों को एक रूप से देखने के निर्देश दिए हैं। दूरस्थ शिक्षा के साथ दोहरापन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। डा. अविचल बृहस्पतिवार को यहां उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (उमुविवि) में बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता 'दूरस्थ शिक्षा एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के इतिहास, वर्तमात परिदृश्य एवं भविष्य में चुनौतियां विषय परव्याख्यान दे रहे थे। करीब दो घंटे धाराप्रवाह व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आने वाला समय दूरस्थ शिक्षा का है, इसके साथ ही चुनौतियां भी होंगी। उन्होंने कहा कि देशभर के विश्वविद्यालयों से उनके विवि से अध्ययन के बाद उदाहरण बने छात्रों की सफलता की कहानी पर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि नियामक संस्था कोई भी अध्यादेश को काफी सोच विचार के लाती है। इसमें गुणवत्ता, प्रभावी, उपयोगी व लाभकारी सिद्धांत काम करता है। उन्होंने कहा कि परम्परागत अथवा संस्थागत शिक्षा प्रणाली अलग नहीं हैं। शिक्षा प्रदान करने का तरीका अलग-अलग है। उन्होंने कहा कि जनवरी से भारत में ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था की योजना है। इसके बाद दूरस्थ शिक्षा और परम्परागत शिक्षा प्रणाली के सम्मुख चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। उन्होने कहा जल्द ही सभी मुक्त विश्वविद्यालयों को नैक फारमेट में लाने की कोशिश की की जा रही है। उन्होंने उमुविवि के कर्ताधर्ताओं ने हरेक साल स्थापना दिवस के लिए ठोस लक्ष्य व क्रियान्वयन पर काम करने का आह्वान किया। इससे पहले उमुविवि के 14वें स्थापना दिवस पर संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया गया। इस मौके पर कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि अभी विवि किशोर अवस्था में है। इसके बावजूद 14 साल के सफर में 70 हजार छात्र हो गई है। उन्होंने कहा कि 80 पाठ्यक्रमों पर पढ़ाई चल रही है। पूरे राज्य में 8 क्षेत्रीय कार्यालय हैं। उन्होंने कहा कि यह सफर लगभग 2700 छात्र छात्राओं से शुरू हुआ था। उन्होंने विवि की भविष्य की योजनाओं का भी खाका खींचा। उन्होंने कहा कि 12वी की मान्यता के लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है।

इस मौके पर बतौर विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक डा. एसएच पंत ने कहा कि पूरे राज्य में उच्च शिक्षा के प्रसार में उमुविवि ध्वजवाहक बन रहा है। उन्होंने कहा कि विषम भौगोलिक स्थितियों वाले इलाकों के लिए यह विवि किसी वरदान से कम नहीं है। इस मौके पर विश्वविद्यालय की त्रैमासिक गृहपत्रिका 'उड़ान' का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के अंतम में कुलसचिव भरत सिंह ने आभार व्यक्त किया और अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन डा. राजेंद्र कैड़ा ने किया। इस अवसर पर प्रोफेसर एचपी शुक्ल, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गिरिजा पांडेय, प्रो. पीडी पंत, भूपेंद्र सिंह, डा. राकेश रयाल समेत तमाम लोग मौजूद थे।

यूओयू का 14 वां स्थापना दिवस

यूजीसी के संयुक्त सचिव ने कहा, जनवरी से देशभर में व्यापक रूप से शुरू होगी ऑनलाइन शिक्षा

संस्थागत शिक्षा से कम नहीं दूरस्थ शिक्षा : डॉ. कपूर

माई सिटी रिपोर्टर

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) का 14वां स्थापना दिवस गुरुवार को तीनपानी स्थित परिसर में मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि यूजीसी दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के संयुक्त सचिव डॉ. अविचल कपूर ने कहा कि वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ गया है, इससे हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्होंने कहा जनवरी से भारत में ऑनलाइन शिक्षा को व्यापक रूप में शुरू करने की योजना है। इसके बाद दूरस्थ और परंपरागत शिक्षा प्रणाली के सम्मुख चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं, इसलिए हमारी जिम्मेदारियां और बढ़ जाती हैं। हमें इस प्रणाली को इतना प्रभावी बनाना होगा कि हम हर चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकें।

उन्होंने कहा जल्द ही सभी मुक्त विवि को नेक फॉरमेट में लाने की कोशिश की जाएगी। कहा कि कोई भी नियामक संस्था जब कोई अध्यादेश लाती है तो उनका उद्देश्य व्यवस्था को नियम के तहत लाना होता है, लेकिन उसमें गुणवत्ता लाने के साथ प्रभावी, उपयोगी और लाभकारी बनाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विवि प्रबंधन सफल विद्यार्थियों की कहानी तैयार कर नए विद्यार्थियों को प्रेरित करने का काम भी करें। अपनी वेबसाइट में इसको प्रमुखता से स्थान भी दें।

विशिष्ट अतिथि उच्चशिक्षा निदेशक डॉ. एससी पंत ने कहा कि उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय से राज्य का लगभग हर राजकीय महाविद्यालय जुड़ चुका है, जहां छात्र संस्थागत रूप से उच्चशिक्षा करने में असमर्थ होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विश्वविद्यालय की भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यूओयू कार्य कर रहा है। प्रवेश प्रक्रिया से लेकर परिणाम घोषित होने तक की हर प्रक्रियाओं को सूचना तकनीकी से जोड़ा जा चुका है। समारोह में विवि की त्रैमासिक पत्रिका उड़ान का भी अतिथियों ने विमोचन किया। विवि के कुलसचिव भरत सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर अतिथियों का आभार जताया। संचालन डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया। इस मौके पर विवि के प्रोफेसर एचपी शुक्ल, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गिरिजा पांडेय, प्रो. पीडी पंत आदि रहे।

उड़ान के नवीन अंक का विमोचन करते मुख्य अतिथि डॉ अविचल कपूर, कुलपति ओम प्रकाश सिंह नेगी व अन्य।

14 साल में 70 हजार पहुंची छात्रसंख्या

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 31 अक्तूबर 2005 को हुई थी। इसमें प्रथम सत्र में लगभग 2700 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था, जो संख्या अब लगभग 70 हजार तक पहुंच गई है। यूओयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि विश्वविद्यालय 80 पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है और यूओयू के राज्य में आठ क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित हैं।

युवा जागरण दैनिक जागरण

तीनपानी स्थित परिसर में मना उत्तराखंड मुक्त विवि का 14वां स्थापना दिवस, वक्ताओं ने दूरस्थ शिक्षा प्रणाली पर रखे विचार

ओपन यूनिवर्सिटीज को नैक फॉर्मेट में लाने की पूरी कोशिश : डॉ . कपूर

समारोह

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी : वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ गया है। जनवरी से देश में ऑनलाइन शिक्षा को व्यापक रूप में शुरू करने की योजना है। साथ ही सभी मुक्त विवि को नैक फॉर्मेट में लाने की कोशिश की जाएगी। ये बातें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के संयुक्त सचिव डॉ. अविचल कपूर ने कही।

उत्तराखंड मुक्त विवि के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में गृहपत्रिका उड़ान का विमोचन करते डॉ. अविचल कपूर, कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी व अन्य • जागरण

14 साल में 70 हजार पहुंची विवि की छात्रसंख्या

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 31 अक्टूबर 2015 को हुई थी, जिसका मुख्यालय हल्द्वानी में बनाया गया था। उस समय प्रथम सत्र में करीब 2700 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया था, जो वर्तमान में करीब 70 हजार तक पहुंच गई है। इस पर कुलपति ने हर्ष जताया।

हल्द्वानी के तीनपानी स्थित उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के 14वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. कपूर ने दूरस्थ शिक्षा एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के इतिहास, वर्तमान परिदृश्य एवं भविष्य में चुनौतियों के बारे में बताया। कहा कि दूरस्थ शिक्षा का महत्व बढ़ने के साथ ही हमारी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं। दूरस्थ शिक्षा में इस सत्र में अब तक 21 लाख नए दाखिले लिए जा चुके हैं। इसमें से 70 फीसद दाखिले देश भर के 15 मुक्त विश्वविद्यालयों में हुए हैं। समारोह की अध्यक्षता करते हुए यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विवि की वर्तमान स्थिति व योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यूओयू कार्य कर रहा है। प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा परिणाम आदि कार्यों में तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. एससी पंत ने कहा कि वर्तमान में यूओयू से राज्य का प्रत्येक डिग्री कॉलेज जुड़ा है। समापन अवसर पर विवि की त्रैमासिक गृहपत्रिका 'उड़ान' का भी विमोचन किया गया। संचालन डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया। यहां कुलसचिव भरत सिंह, जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल, प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. दुर्गेश पंत, प्रो. गिरिजा पांडेय आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

सलाखों के पीछे से कैदी करेंगे डिग्री-डिप्लोमा कोर्स

हल्द्वानी उपकारागार में यूओयू का सेंटर खोलने की कवायद

पॉजिटिव न्यूज

संदीप मेवाड़ी • हल्द्वानी

जेल की मजबूत सलाखें अब कैदियों की पढ़ने की इच्छा नहीं रोक पाएंगी। कैदियों के आचरण व व्यवहार में सुधार के साथ जेल प्रशासन ने अब कैदियों को शिक्षित करने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। हल्द्वानी जेल प्रशासन ने उपकारागार में उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी का सेंटर खोलने की कवायद शुरू की है। इसके लिए यूओयू में ऑनलाइन आवेदन भी किया गया है। सेंटर खोलने की अनुमति मिलने के साथ ही कोर्स शुरू हो जाएंगे।

यूओयू बीए, एमए के साथ कई तकनीकी के डिग्री व डिप्लोमा कोर्स, योगा, कंप्यूटर व अकाउंट आदि के सर्टिफिकेट कोर्स कराती है। यूओयू प्रशासन से जेल के भीतर भी सेंटर खोलने की मांग की गई है, जिससे कैदी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स कर भविष्य में रोजगार से जुड़ सकें। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन भी किया जा चुका है। सेंटर खोलने की अनुमति मिलते ही इच्छुक कैदियों का दाखिला कराया जाएगा। यूओयू के प्रशिक्षक समय-समय पर जेल में आकर कैदियों को संबंधित कोर्स का प्रशिक्षण भी देंगे।

–मनोज आर्य, वरिष्ठ जेल अधीक्षक

जेल प्रशासन कैदियों का भविष्य सुधारने के लिए कई प्रयास कर रहा है। वर्तमान में यहां नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल (एनआइओएस) सेंटर संचालित है, जिसके माध्यम से कैदी 10वीं व 12वीं की शिक्षा ले रहे हैं। इसके अलावा वेदांता फाउंडेशन इन्हें कंप्यूटर व टेलरिंग का प्रशिक्षण भी दे रहा है। कैदियों की आपराधिक मानसिकता को दूर कर उनमें सकारात्मक सोच विकसित करने व उन्हें आध्यात्म से जोड़ने के प्रयास भी हो रहे हैं।

इसी कड़ी में अब कैदियों को डिग्री-डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स कराने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

स्थापना दिवस

- यूओयू के 14वें स्थापना दिवस पर यूजीसी के दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो संयुक्त सचिव का ऐलान
- दूरस्थ शिक्षा व्यवस्था को सिर्फ तकनीक के मामले में पारम्परिक शिक्षा से अलग बताया

यूओयू के मेधावियों से सजेगी यूजीसी वेबसाइट

यूओयू में व्याख्यान

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विवि (यूओयू) के मेधावियों को दूरस्थ शिक्षा के नजीर के तौर पर यूजीसी अपनी वेबसाइट पर जगह देगा। इनके जरिए आम लोगों को दूरस्थ शिक्षा की अहमियत और उसकी उपयोगिता का पता चलने के साथ अधिक शिक्षित होने की प्रेरणा मिलेगी। इन मेधावियों की कामयाबी की गाथाएं यूजीसी इकट्ठा करने में जुटा है। यह बात उत्तराखंड मुक्त विवि के 14वें स्थापना दिवस समारोह में यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. अविचल कपूर ने कही।

डॉ. कपूर ने बताया दूरस्थ शिक्षा से सफल होने वाले विद्यार्थियों की कहानी को एकत्र कर नये विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएगा। ऐसी कहानियों को संबंधित विवि के साथ यूजीसी की वेबसाइट पर जारी किया जाएगा। यूजीसी ने इसके लिए देश के सभी मुक्त विश्वविद्यालयों को पत्र भेजा है।

हल्द्वानी में गुरुवार को यूओयू के 14वें स्थापना दिवस पर न्यूज लेटर उड़ान पुस्तिका का विमोचन करते अतिथि।

न्यूज लेटर उड़ान का विमोचन

स्थापना समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. अविचल कपूर, उच्चशिक्षा निदेशक डॉ. एससी पंत, कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने किया। कुलपति प्रो. नेगी ने विवि की प्रगति रिपोर्ट पेश की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विवि की छात्र संख्या 70 हजार पार हो चुकी है। समारोह पर विवि के न्यूज लेटर उड़ान का विमोचन किया गया। उच्चशिक्षा निदेशक डॉ. एससी पंत ने कहा यूओयू ने प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में उच्चशिक्षा पहुंचाने में सफल रहा। बेहतर तकनीकि माध्यम से उच्चशिक्षा का पहुंचाने से पलायन में नियंत्रण होगा। कुलसचिव भरत सिंह ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजेंद्र कैड़ा ने किया। यहां परीक्षा नियंत्रक प्रो. पीडी पंत, प्रो. गिरिजा पांडे, प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. दुर्गेश पंत, डॉ. राकेश रयाल, ब्रजेश बनकोटी, गोविंद सिंह, भूपेन सिंह आदि रहे।

ये भी जानिए

02 घंटे चले व्याख्यान में वक्ताओं ने दूरस्थ शिक्षा की खूबियां गिनाईं

70 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं यूओयू के केंद्रों से कर रहे हैं पढ़ाई

सौगात

किताबें जल्द डिजिटल करेगा यूओयू : कुलपति

यूओयू जल्द ही सभी पाठ्यक्रमों की पुस्तकों को डिजिटल करने जा रहा है। यह जानकारी स्थापना दिवस समारोह में कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने दी। उन्होंने कहा इससे विद्यार्थियों को किताबों के लिए होने वाला खर्च कम होगा। वहीं, विद्यार्थियों की भी ई-लर्निंग को लेकर रूचि बढ़ेगी। कुलपति नेगी ने बताया विवि ऑनलाइन परीक्षा प्रणाली शुरू करने की तैयारी कर रहा है। जल्द यह लागू होगी। शुरूआत में कुछ कोर्सों की परीक्षा ऑनलाइन होगी।

जनवरी से शुरू होंगे ऑनलाइन कोर्स

यूजीसी ने ऑनलाइन कोर्स नियमावली तैयार की है। इसका क्रियान्वयन जनवरी 2020 से पूरे देश के विश्वविद्यालयों में होगा। डॉ. अविचल कपूर ने बताया कि नियमावली को लेकर विवि को सूचना भेज दी गई है। इस पद्धति से भारत के विश्वविद्यालयों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति मिलेगी। देश के बाहर से भी विद्यार्थी प्रवेश ले सकेंगे। विवि को कोर्स और तकनीक समय के साथ सुधारना होगा, तभी यह प्रयास सफल होगा।

दूरस्थ शिक्षा सिर्फ तकनीक में पारम्परिक शिक्षा से है अलग

यूजीसी दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो के संयुक्त सचिव डॉ. अविचल कपूर ने दूरस्थ शिक्षा एवं मुक्त शिक्षा प्रणाली के इतिहास, वर्तमान परिदृश्य एवं भविष्य में चुनौतियां विषय पर कहा कि दूरस्थ शिक्षा कोई अलग प्रणाली नहीं है। दूरस्थ शिक्षा और पारम्परिक शिक्षा के मध्य तकनीक का ही फर्क है। पारंपरिक और दूरस्थ दोनों माध्यमों के सामने अपनी चुनौतियां है। इसका सामना करने के लिए सभी को साझा पहल करनी होगी। सरकार भी दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में विद्यार्थियों का दूरस्थ शिक्षा में रुझान बढ़ा है।

डॉ. अविचल कपूर

अमर उजाला

पांडे, दीपा बिष्ट, निर्मला पांडे, रेखा भट्ट,

यूओयू: शीतकालीन सत्र जनवरी से

माई सिटी रिपोर्टर

यूजीसी की आपत्तियों के चलते पिछले वर्ष बंद कर दिया था सत्र

हल्द्वानी। प्रदेश के उन छात्रों के लिए खुशखबरी है कि जो कुमाऊं विश्वविद्यालय या श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालयों में प्रवेश लेने से वंचित रह गये थे। वे छात्र अब उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनवरी में शुरू होने जा रहे शीतकालीन सत्र में दाखिला लेकर उच्चशिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतीकात्मक फोटो

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विशेष परिस्थितियों में विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक बुलाई थी जिसमें छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन सत्र पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया। डॉ. रयाल ने कहा कि कुलपति चाहते हैं कि यूओयू तथा कुमाऊं और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में जिन छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पाया है वे इस यूओयू के शीतकालीन सत्र में प्रवेश लें। शीतकालीन सत्र में केवल बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम में ही छात्र प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के पुराने प्रवेश से छूटे हुए छात्र-छात्राएं भी प्रवेश ले सकेंगे। प्रयोगात्मक कक्षा वाले विषयों में प्रवेश नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यूजीसी के नियमों के तहत प्रवेश प्रारंभ तिथि से 60 दिन पूर्व शीतकालीन सत्र का प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर डाल दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देख सकते हैं।

यूओयू का दीक्षांत समारोह अब तीन दिसंबर को

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह अब तीन दिसंबर को होगा। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलसचिव भरत सिंह ने दी। पहले यह समारोह 27 नवंबर को प्रस्तावित था। उन्होंने कहा कि राज्यपालए व कुलाधिपति बेबी रानी मौर्य की सहमति के बाद समारोह की तिथि आगे बढ़ाई गई है। दीक्षांत समारोह में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 एवं 2018-19 के ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन दोनों सत्रों के उत्तीर्ण छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएंगी। उन्होंने कहा कि अब तक तीनों सत्रों में उपाधि के लिए ऑनलाइन 395 तथा ऑफ लाइन 139 कुल 534 छात्र-छात्राएं आवेदन कर चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 16 नवंबर रखी गई है। कुलसचिव ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास है कि इस बार दीक्षांत समारोह में उपाधि के लिए अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं शामिल हो सकें। इन सत्रों में उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं को फोन पर संदेश भेजे जा रहे हैं।

दैनिक जागरण

यूओयू में दोबारा शुरू होगी शीतकालीन सत्र की पढ़ाई

पॉजिटिव न्यूज

जासं, हल्द्वानी: कुमाऊं विवि से संबद्ध कॉलेजों या अन्य विवि में प्रवेश लेने से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं के लिए अच्छी खबर है। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय ने शीतकालीन सत्र फिर से शुरू करने का निर्णय लिया है।

पूर्व में उत्तराखंड मुक्त विवि के कई पाठ्यक्रमों को यूजीसी की मान्यता नहीं मिल पाई थी। जिस कारण शीतकालीन सत्र पिछड़ गया था। ऐसे में वर्ष 2017-18 में यूओयू ने शीतकालीन सत्र को बंद करने का मन बनाया। इसके बाद से केवल ग्रीष्माकालीन सत्र की ही पढ़ाई हो रही थी। इधर, बीते पांच-छह माह में अधिकांश पाठ्यक्रमों को यूजीसी से मान्यता मिलने के बाद यूओयू ने एक बार फिर से शीतकालीन सत्र की पढ़ाई शुरू करने का मन बनाया है। यूओयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विवि की प्रवेश समिति की बैठक बुलाई थी। जिसमें छात्रहितों को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन सत्र पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया।

बीए के साथ एमए, बीकॉम व एमकॉम में मिलेगा दाखिला

शीतकालीन सत्र में केवल बीए, एमए, बीकॉम, एमकॉम में ही स्टूडेंट्स दाखिला ले सकेंगे। विवि में पूर्व में दाखिला लेने से वंचित रह गए छात्र भी प्रवेश ले सकेंगे। प्रयोगात्मक कक्षा वाले विषयों में प्रवेश नहीं होंगे। यूजीसी के नियमों के तहत प्रवेश प्रारंभ तिथि से 60 दिन पूर्व शीतकालीन सत्र का प्रोस्पेक्टस विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

अब तीन दिसंबर को होगा पांचवां दीक्षांत समारोह

यूओयू का पांचवां दीक्षांत समारोह अब 27 नवंबर के बजाय तीन दिसंबर को होगा। कुलाधिपति की सहमति के बाद तिथि में विवि ने संशोधन किया है। कुलसचिव भरत सिंह ने बताया कि समारोह में ग्रीष्मकालीन सत्र 2017-18 व 2018-19 के दोनों सत्रों में उत्तीर्ण रहे छात्र-छात्राओं को उपाधि दी जाएगी। अब तक ऑनलाइन 395 व ऑफलाइन 139 समेत 534 छात्र-छात्राओं के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 16 नवंबर निर्धारित की गई है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

जनवरी से शुरू होंगे प्रवेश, कला और वाणिज्य विषय के पाठ्यक्रम ही पढ़ाए जाएंगे

यूओयू के शीतकालीन सत्र में फिर होंगे दाखिले

मिशन एडमिशन

01 एक ही सत्र चलाने का निर्णय लेते हुए 2018-19 में बंद हुआ शीतकालीन सत्र

60 दिन पहले प्रॉस्पेक्ट्स जारी कर दिया जाएगा प्रवेश प्रक्रिया से पहले

विवि लगातार पहाड़ से हो रहे पलायन को रोकने की दिशा में प्रयास कर रहा है। इसी प्रयास के क्रम और विद्यार्थी हितों को देखते हुए शीतकालीन सत्र को दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है।
- प्रो. ओपीएस नेगी, कुलपति यूओयू

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय (यूओयू) शीतकालीन सत्र एक बार फिर शुरू करने जा रहा है। इसके लिए जनवरी से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। इसका सीधा लाभ कुमाऊं विवि और श्रीदेव सुमन विवि में प्रवेश से वंचित रहे छात्र-छात्रों को मिलेगा।

हालांकि, इस सत्र में कला-वाणिज्य संकाय के सिर्फ वही स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे, जिनकी परीक्षा वार्षिक पद्धति पर होती है। यूओयू में लम्बे समय तक ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र संचालित होता रहा। लेकिन, विवि प्रशासन ने वर्ष में एक ही सत्र चलाने का फैसला लेते हुए 2018-19 में शीतकालीन सत्र बंद करने का फैसला लिया। राज्य के विश्वविद्यालयों में प्रवेश के लिए सीमित सीटें होने के कारण कई विद्यार्थियों को प्रवेश से वंचित रहना पड़ रहा था।

इसके चलते कई विद्यार्थियों को उच्चशिक्षा ग्रहण करने के लिए अन्य राज्यों का रुख भी करना पड़ रहा था। विद्यार्थियों के हित देखते हुए कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने प्रवेश समिति की बैठक में शीतकालीन सत्र दोबारा शुरू कराने का फैसला लिया। विवि के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. राकेश रयाल ने बताया कि जनवरी से शीतकालीन सत्र के लिए प्रवेश शुरू होंगे। डॉ. रयाल ने बताया कि इस सत्र में स्नातक और परास्नातक स्तर पर कला और वाणिज्य संकाय के सिर्फ उन्हीं पाठ्यक्रमों को पढ़ाया जाएगा, जिनकी परीक्षा वार्षिक पद्धति के आधार पर होती है। बताया कि विज्ञान और प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में प्रवेश ग्रीष्मकालीन सत्र के अनुसार ही होंगे।

बताया कि यूजीसी नियमों के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने से 60 दिन पहले प्रॉस्पेक्ट्स जारी कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थी विवि की वेबसाइट uou. ac. in को नियमित देखते रहें।

यूओयू का 5वां दीक्षांत 3 दिसम्बर को होगा

हल्द्वानी। उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह अब 3 दिसम्बर को होगा। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य की सहमति के बाद दीक्षांत समारोह की तिथि को बढ़ाया गया है। यह जानकारी विवि के कुलसचिव भरत सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इससे पहले दीक्षांत समारोह 27 नवम्बर को होना प्रस्तावित था। बताया कि विवि प्रशासन की ओर से दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। जिसमें सत्र 2017झ18 एवं 2018-19 के ग्रीष्मकालीन व शीतकालीन दोनों सत्रों के उत्तीर्ण विद्यार्थियों को डिग्री आवंटित की जाएंगी। बताया कि तीनों सत्रों में करीब 25 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की थी। बताया कि दीक्षांत समारोह में प्रतिभाग करने के लिए विद्यार्थियों को ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। इसी माध्यम से उन्हें समारोह में प्रतिभाग का पास जारी किया जाएगा। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 16 नवम्बर तक जारी रहेगी। कुलसचिव भरत सिंह ने बताया कि अभी तक डिग्री के लिए 395 विद्यार्थियों ने ऑनलाइन और 139 ने ऑफलाइन आवेदन किए हैं। उक्त सत्रों के उत्तीर्ण छात्र- छात्राओं को फोन पर संदेश भी भेजा गया है।

स्कूली बच्चों को भी मदद दी जाती है। पुलिस की कार्रवाई से रेस्टोरेंटों में श

यूओयू में शीतकालीन सत्र शुरू

वंचित छात्रों को प्रवेश का मिलेगा अवसर

हल्द्वानी। कुमाऊं विश्वविद्यालय और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने से वंचित रह गये छात्र अब उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के जनवरी में शुरू होने जा रहे शीतकालीन सत्र में प्रवेश ले सकते हैं। जानकारी देते हुये विश्वविद्यालय के जनसंम्पर्क अधिकारी डा. राकेश रयाल ने बताया कि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने विशेष परिस्थितियों में विश्वविद्यालय की प्रवेश समिति की बैठक बुलाई थी जिसमें छात्र हितों को ध्यान में रखते हुए शीतकालीन सत्र पुन: शुरू करने का निर्णय लिया गया है। कुलपति चाहते हैं कि यूओयू तथा कुमाऊं और श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में जिन छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पाया है, वह इस विश्वविद्यालय के शीतकालीन सत्र में प्रवेश लें। उन्होंने कहा कि शीतकालीन सत्र में केवल बीए, एमए, बीकाम, एमकाम में ही छात्र प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय के पुराने प्रवेश से छूटे हुये छात्र-छात्राएं भी प्रवेश ले सकेंगे। प्रयोगात्मक कक्षा वाले विषयों में प्रवेश नहीं होंगे। कहा कि यूजीसी के नियमों के तहत प्रवेश प्रारम्भ तिथि से 60 दिन पूर्व शीतकालीन सत्र का प्रोस्पेक्टस विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर डाल दिया गया है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक छात्र-छात्राएं विश्व विद्यालय की वेबसाइट देख सकते हैं।

सार-संक्षेप

दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाने के लिए परामर्शदाता जरूरी

जासं हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विवि, भारतीय पुनर्वास परिषद व एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग की ओर से बुधवार को पांच दिवसीय कार्यशाला की शुरुआत की गई। मुख्य अतिथि यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि विशिष्ट बालकों के लिए विशिष्ट शिक्षा की बेहद जरूरत है। विशिष्ट बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है तो विशिष्ट शिक्षक एवं परामर्शदाता नितांत जरूरी है। प्राचार्या डॉ. बीना खंडूड़ी ने विशिष्ट शिक्षा में मनोविज्ञान के योगदान को सराहा। कार्यक्रम डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि समाज में विशिष्ट व सामान्य बच्चों के व्यवहार, मानसिक समस्याओं के समाधान में मनोविज्ञान और परामर्श का काफी योगदान रहा है। सभी को इस क्षेत्र में ध्यान देने की आवश्यकता है।

विशिष्ट बालकों को लेकर कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में बुधवार को उत्तराखंड मुक्त विवि, भारतीय पुनर्वास परिषद एवं मनोविज्ञान विभाग एमबी कॉलेज के संयुक्त आयोजन में पांच दिनी कार्यशाला शुरू हुई। विशिष्ट बच्चों के माता-पिता के जीवन में परामर्शदाता की भूमिका विषय पर पांच दिनी कार्यशाला शुरू हुई। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि आज विशिष्ट बालकों हेतु विशिष्ट शिक्षा की जरूरत है। विशिष्ट बालकों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है, उसके लिए विशिष्ट शिक्षक एवं परामर्शदाता की जरूरत है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बीना खंडूरी ने विशिष्ट शिक्षा में मनोविज्ञान के योगदान की महत्ता को बताया। कार्यक्रम समन्यवक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल और सहायक क्षेत्रीय निदेशक बृजेश बनकोटी ने भी दिव्यांग जनों में विभिन्न समस्याओं के प्रकार और प्रभाव पर रोशनी डाली। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रश्मि पंत ने बताया कि समाज में विशिष्ट और सामान्य बच्चों के व्यवहार और मानसिक समस्याओं के समाधान में मनोविज्ञान और परामर्श का काफी योगदान रहा है।

एमबीपीजी में बुधवार को यूओयू के कुलपति को स्मृति चिह्न देतीं प्राचार्य डॉ. बीना खंडूरी।

विशिष्ट बच्चों के लिए विशिष्ट शिक्षा की जरूरत : प्रो. नेगी

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

एमबीपीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग, यूओयू एवं भारतीय पुनर्वास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज सभागार में कार्यशाला का आयोजन किया गया। विशिष्ट बच्चों के माता-पिता के जीवन में परामर्शदाता की भूमिका विषय पर आधारित यह कार्यशाला पांच दिनों तक चलेगी।

यूओयू के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी एवं प्राचार्या डॉ. बीना खंडूरी ने दीप कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रो. नेगी ने कहा कि विशिष्ट बच्चों के लिए विशिष्ट शिक्षा की जरूरत है। डॉ. रश्मि पंत, ब्रजेश कुमार बनकोटी, डॉ. विनय विद्यालंकार, डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल आदि रहे। २

यूओयू में किताब लेने गए छात्र से अभद्रता का आरोप

हल्द्वानी। यूओयू के पुस्तक अनुभाग में तैनात एक प्राध्यापक पर किताब लेने गए छात्र मोहित केसरवानी ने अभद्रता का आरोप लगाया है। उसने कुलपति को ज्ञापन लिखा है। छात्र पत्रकारिता एवं जनसंचार में डिप्लोमा का छात्र है।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

यूओयू उत्तराखंड में वर्चुअल कक्षाएं चलाने वाला पहला विवि

अच्छी खबर

हल्द्वानी | हमारे संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग ने छात्र-छात्राओं को वर्चुअल कक्षाओं के जरिए पढ़ाने की व्यवस्था शुरू की है। लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के जरिये पढ़ाई का ऑनलाइन प्लेटफार्म तैयार किया गया है, इसमें छात्र-छात्राएं कहीं बैठकर लाइव क्लास रूम में प्राध्यापकों से संवाद कर रहे हैं। उन्हें चैट के जरिए प्राध्यापक से सवालों के जवाब भी मिल रहे हैं। फिलहाल इसे एमबीए प्रथम सेमेस्टर में लागू किया गया है।

01 सौ 60 छात्र-छात्राएं एमबीए प्रथम सेमेस्टर में हैं पंजीकृत

90 छात्र-छात्राएं नियमित वेबसाइट पर रहते हैं सक्रिय

वूओयू मजबूत आईटी अनुभाग के जरिये डिजिटल शिक्षा की ओर बढ़ रहा है। पत्राचार के माध्यम से शिक्षा के मापदंडों को सार्थक कर विवि अब वर्चुअल कक्षाओं के जरिए लाइव व्याख्यानों पर जोर दे रहा है। इसी कड़ी में विवि प्रबंधन विभाग ने एमबीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल कक्षाएं शुरू की हैं। इससे यूओयू एमबीए में वर्चुअल कक्षा देने वाला राज्य का पहला विवि बन गया है।

इस तरह हो रही ऑनलाइन पढ़ाई

वाणिज्य-प्रबंधन विभाग में सहायक प्राध्यापिका डॉ. मंजरी अग्रवाल ने बताया कि लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमए) के जरिए विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का प्लेटफार्म तैयार किया गया है। डॉ. अग्रवाल के मुताबिक पंजीकृत छात्र को विवि वेबसाइट पर जा कर लॉगइन करना होगा। इसमें लाइव क्लास में वह सीधे व्याख्यान दे रहे प्राध्यापक से जुड़ जाएंगे। इसमें चैट का विकल्प भी है, जिससे प्रश्न पूछने पर जवाब तत्काल मिल जाता है। पाठ्यक्रम से जुड़ी किताबें, वीडियो व्याख्यान और पिछले सालों के प्रश्नपत्र भी मिलेंगे। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर में 160 विद्यार्थी पंजीकृत हैं, जिसमें 90 छात्र नियमित रूप से इस माध्यम पर सक्रिय हैं।

क्लास रूम लॉगइन और पासवर्ड दिए

विवि के प्रबंधन विभाग ने वर्चुअल कक्षाओं की सुविधा एमबीए प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए शुरू की है। ऑनलाइन कक्षा की पूर्व सूचना उन्हें विवि वेबसाइट के अलावा ई-मेल पर दी जा रही है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि सभी विद्यार्थियों को ई-मेल के जरिए क्लास रूम लॉगिन आईडी और पासवर्ड भी दिया गया है।

प्रशिक्षण में शिक्षकों का बोझ कम करने पर जोर

भीमताल। संकुल थपलिया-महरागांव में दो दिवसीय सामुदायिक सहभागिता प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को संपन्न हुआ। उद्घाटन प्रधानाचार्य सुरेश सिंह चौहान ने किया। पीटीए अध्यक्ष समेत 38 लोगों ने सहभागिता प्रशिक्षण में भाग लिया। इस दौरान सदस्य कमलेश चंद्र, बबीता देवी व कमला देवी ने शिक्षकों पर अन्य कार्य का बोझ कम करने व इस तरह के आयोजन कर नई जानकारियों प्रदान करने के सुझाव रखे। प्रशिक्षण का डा.जे मिश्रा ने निरीक्षण किया। यहां एसएमसी अध्यक्ष ममता देवी, मास्टर ट्रेनर योगेश चंद्र, सुरेश चंद्र सुयाल रहे।

दैनिक जागरण

दिव्यांग बच्चों की दिनचर्या से रूबरू हुए प्रतिभागी

जासं, हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में यूओयू एवं भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली की पांच दिवसीय कार्यशाला रविवार को भी जारी रही। कार्यशाला में प्रतिभागियों को ब्रेल लिपि, साइन लैंग्वेज का प्रशिक्षण दिए जाने के साथ ही कयाणम विशेष कार्यक्रम संयोजक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल की अगुवाई में प्रतिभागियों को शैक्षिक भ्रमण के लिए कल्याणम विशेष स्कूल ले जाया गया। इस मौके पर पंकज कुमार, तनुजा आदि रहे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

एमबी में विज्ञान संकाय की कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में उत्तराखंड मुक्त विवि के तत्वावधान में बुधवार से विज्ञान की एक हफ्ते की कार्यशाला शुरू हो गई है। प्राचार्य डॉ. बीना खंडूरी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. खंडूरी ने कहा ऐसी कार्यशालाओं से नया पथ मिलता है।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रश्मि पंत ने बताया कार्यशाला में विज्ञान के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान होगा। इसमें डॉ. चारू ढौंडियाल, डॉ. वीके सिंह, डॉ. प्रेम प्रकाश, डॉ. लीला तिवारी, डॉ. बीआर पंत ने व्याख्यान दिया। इस मौके पर डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. श्याम कुंजवाल, डॉ. मुक्ता जोशी, डॉ. कीर्तिका पडलिया, डॉ. प्रदीप कुमार पंत आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

कार्यशाला में छात्रों को दिया प्रयोगात्मक ज्ञान

कार्यशाला के समापन पर प्राचार्य एनपी माहेश्वरी को सम्मानित करते आयोजक • दिवि प्रशासन

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के कैंपस कॉलेज राजकीय महाविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के तत्वावधान में सात दिवसीय विज्ञान प्रयोगात्मक कार्यशाला में प्रतिभाग किया। कार्यशाला में छात्रों ने विज्ञान प्रयोगात्मक पर विभिन्न जानकारी प्राप्त की।

रविवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय कार्यशाला के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि ऋषिकेश महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एनपी माहेश्वरी रहे। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. जीके ढींगरा ने बताया कि 18 से 24 नवंबर तक इस कार्यशाला में उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के एमएससी भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व वनस्पति विज्ञान के लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

दैनिक जागरण

स्वयं अनुशासित रहना भी शिक्षक का दायित्व

देहरादून : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी की ओर से संचालित बीएड विशेष शिक्षा के छात्रों की सात दिवसीय कार्यशाला रविवार को समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी आशा रानी पैन्यूली ने कहा कि शिक्षक का एक महत्वपूर्ण दायित्व स्वयं को अनुशासित रखना भी है इसके लिए उसकी अध्यापन शैली की भाषा और समय का अनुपालन करना आवश्यक है।

पथरीबाग स्थित श्री गुरुराम राय पीजी कॉलेज के सभागार में आयोजित कार्यशाला में मुख्य शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर युवा पीढ़ी को सही दिशा देने की भी जिम्मेदारी है इसलिए अपने दायित्व का ईमानदारी से पालना करना होगा। कार्यशाला में रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. एके गुप्ता ने विशेष शिक्षा को सामान्य शिक्षा से जोड़ते हुए शिक्षकों को दिव्यांगजनों के लिए अवसर के द्वार खोले जाने की पहल करने पर जोर दिया। उन्होंने इस संबंध में कार्यक्रमों की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। सुमंगल सिंह ने प्रतिभागियों से अनुरोध किया शिक्षण शैली में सरल भाषा का प्रयोग से किया जाना आवश्यक है क्योंकि बालक सरल भाषा से ही अध्ययन में रूचि लेता है। कार्यशाला के समन्वयक व सक्षम उत्तराखंड प्रांत अनुसंधान प्रमुख डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल ने कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर डॉ. एचवी पंत, डॉ. संदीप नेगी, आचार्य महेश बहुगुणा आदि उपस्थित थे। (जासं)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

ऋषिकेश पीजी कॉलेज में रविवार को कार्यशाला के समापन अवसर पर मौजूद प्रतिभागी। • हिन्दुस्तान

छात्र-छात्राओं को विज्ञान से संबंधित जानकारियां दी

ऋषिकेश | हमारे संवाददाता

कार्यशाला

- पीजी कॉलेज ऋषिकेश में 7 दिवसीय विज्ञान प्रयोगात्मक कार्यशाला
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के 150 छात्र-छात्राएं हुए शामिल

पीजी कॉलेज ऋषिकेश में सात दिवसीय विज्ञान प्रयोगात्मक कार्यशाला के तहत मास्टर ऑफ साइंस (एमएससी) के 150 छात्र-छात्राओं को विभिन्न जानकारियां दी गई।

पीजी कॉलेज ऋषिकेश में रविवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय विज्ञान प्रयोगात्मक कार्यशाला के अंतिम दिन कार्यक्रम आयोजित हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एनपी माहेश्वरी ने कार्यशाला में शिकरत करने वाले छात्र-छात्राओं को बधाई दी। कहा कि सभी चीजें विज्ञान पर आधारित हैं। कार्यशाला के सहयोग से छात्र-छात्राओं को लाभ मिलता है। कार्यशाला समन्वयक डॉ. गुलशन कुमार ढींगरा ने बताया कि कार्यशाला में उत्तराखंड मुक्त विवि हल्द्वानी के एमएससी भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान व वनस्पति विज्ञान के लगभग 150 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जो दिल्ली, यूपी, हरियाणा, बिजनौर और कुछ उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों से आए हैं। कार्यशाला में छात्रों विज्ञान से संबंधित विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई है। मौके पर डीन विज्ञान संकाय डॉ. सुषमा गुप्ता, यूओयू के समन्वयक डॉ. वेद प्रकाश, उत्तराखंड मुक्त विवि के अकादमी को-ऑर्डिनेटर डॉ. कमलदेव लाल, डॉ. पूजा जुयाल, डॉ. चारूचंद्र पंत, डा. मृत्युजंय शर्मा, डॉ. दयाधर बोक्षित, डा. सफिया हसन आदि उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

एमबी में विज्ञान संकाय की कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में उत्तराखंड मुक्त विवि के तत्वावधान में बुधवार से विज्ञान की एक हफ्ते की कार्यशाला शुरू हो गई है। प्राचार्य डॉ. बीना खंडूरी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। डॉ. खंडूरी ने कहा ऐसी कार्यशालाओं से नया पथ मिलता है।

क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रश्मि पंत ने बताया कार्यशाला में विज्ञान के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान होगा। इसमें डॉ. चारू ढौंडियाल, डॉ. वीके सिंह, डॉ. प्रेम प्रकाश, डॉ. लीला तिवारी, डॉ. बीआर पंत ने व्याख्यान दिया। इस मौके पर डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. श्याम कुंजवाल, डॉ. मुक्ता जोशी, डॉ. कीर्तिका पडलिया, डॉ. प्रदीप कुमार पंत आदि मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की सतत पुनर्वास शिक्षा की पांच दिवसीय कार्यशाला का एमबीपीजी कॉलेज सभागार में समापन

बधिर बच्चों के विकास में साइन लैंग्वेज सबसे मददगार : भूपेंद्र

कार्यशाला

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और भारतीय पुनर्वास परिषद नई दिल्ली की पांच दिनी सतत पुनर्वास शिक्षा सीआरई कार्यशाला रविवार को समाप्त हो गई। कार्यशाला में विशेष शिक्षकों के साथ अन्य प्राध्यापकों ने भी प्रतिभाग किया। इस दौरान कार्यशाला में आए विशेषज्ञों ने बच्चों की समस्याओं पर चर्चा कर समाधान बताए।

एमबीपीजी कॉलेज सभागार में कार्यशाला के अंतिम दिन रविवार को ऑडियोलॉजिस्ट और स्पीच थैरेपिस्ट भूपेंद्र कुमार ने छात्र-छात्राओं की जांच की। उन्होंने श्रवणबाधित बच्चों की समस्याएं बताईं। उन्होंने कहा कि श्रवणबाधित छात्र-छात्राओं के साइन लैंग्वेज मददगार हो सकती है। अनमोल विशेष स्कूल काशीपुर की प्रधानाचार्य मीनाक्षी चौहान ने प्रतिभागियों को ब्रेल लिपि का प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम संयोजक डॉ. सिद्धार्थ पोखरियाल की अगुवाई में प्रतिभागियों को शैक्षिक भ्रमण के लिए कल्याणम विशेष स्कूल ले जाया गया। यहां प्रबंधक तरुण नेगी ने प्रतिभागियों को दिव्यांग बच्चों की गतिविधियां बताईं। दिव्यांग बच्चों को खेल सामग्री दी गई। यहां कल्याणम विशेष स्कूल हल्द्वानी के पंकज कुमार, तनुजा जोशी, ममता आदि मौजूद रहे।

हल्द्वानी के कल्याणम विशेष स्कूल में रविवार को दिव्यांग बच्चों को खेल सामग्री देते प्रबंधक।

बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देना जरूरी

लालकुआं। चाइल्ड सेक्रेड हार्ट हाईस्कूल में 'सहभागिता कार्यशाला' में वरिष्ठ मोटिवेटर देवेन्द्र कोटलिया ने कहा कि अभिभावकों को बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देने की जरूरत है। सामाजिक चिंतक श्याम सिंह रावत ने कहा कि बच्चे के सामने भविष्य में आने वाली चुनौतियों के लिए उसको तैयार करना तथा उसका विकास तथा उन्नति स्कूल तथा अभिभावकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनको समाज, स्कूल और अभिभावक सही दिशा प्रदान करें।

हिन्दुस्तान

पीएचडी में प्रवेश को सीट निर्धारण शुरू

मिशन एडमिशन

यूओयू

- सीटों के निर्धारण व आरक्षण के आवंटन के बाद होंगे प्रवेश
- विज्ञान व कला वर्ग में करीब 45 विद्यार्थी कर सकेंगे शोध

विवि में पीएचडी के प्रवेश के लिए सीटों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस माह के अंत तक आवेदन प्रक्रिया शुरू के बाद लिखित परीक्षा व साक्षात्कार कराए जाएंगे। इसमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को पीएचडी में प्रवेश दिया जाएगा। – प्रो. गिरजा पांडे, निदेशक शोध एवं नवाचार।

हल्द्वानी | मुख्य संवाददाता

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में जल्द ही पीएचडी के लिए प्रवेश शुरू हो जाएंगे। जिसके लिए विवि ने सीटों के निर्धारण व आरक्षण के आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीटों के निर्धारण के बाद पीएचडी में प्रवेश को आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। आवेदन के बाद लिखित परीक्षा व साक्षात्कार में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को पीएचडी में प्रवेश का मौका मिलेगा।

यूओयू में नए छात्रों को पीएचडी में प्रवेश देने के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जिसके तहत विवि में सीटों के निर्धारण व आरक्षण के आवंटन का कार्य किया जा रहा है। माह के अंत तक सारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आनलाइन प्रवेश की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। आवेदन के बाद छात्रों की लिखित व साक्षात्कार होंगे। इसमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को ही विवि में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने के बाद जनवरी माह से पीएचडी के छात्रों का कोर्स वर्क शुरू हो जाएगा। पुराने छात्रों को शोध उपाधि मिल जाने के बाद विवि में पीएचडी की कई सीटें खाली हो जाएंगी। इस प्रकार विवि में करीब 45 छात्र शोध के लिए प्रवेश ले सकेंगे। इसीलिए विवि में शोध छात्रों को प्रवेश देने के लिए सीटों का निर्धारण व आरक्षण का आवंटन पूरा होने के बाद आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। प्रवेश फार्म वेबसाइट में अवलोड करने के साथ ही लोगों को समाचार पत्रों के माध्यम से इसकी सूचना दी जाएगी। इस माह के अंत तक सारी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

अमर उजाला

यूओयू के छात्र करेंगे प्रैक्टिकल

एमबीपीजी कॉलेज में विज्ञान संकाय की कार्यशाला शुरू

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज में बुधवार को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की विज्ञान के विभिन्न विषयों की कार्यशाला प्रारंभ हुई। सात दिनों तक चलने वाली विज्ञान की इस कार्यशाला का उद्घाटन प्राचार्य डॉ. बीना खंडूरी ने किया। कार्यशाला में बीएससी एवं एमएससी के छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं। विज्ञान के विभिन्न विषयों पर प्रयोगात्मक कार्य तथा व्याख्यान दिए जाएंगे।

एमबीपीजी में प्रैक्टिकल करते यूओयू के छात्र-छात्राएं।

कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य डॉ. खंडूरी ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाओं से दूरस्थ शिक्षा के विद्यार्थियों को काफी लाभ होगा। यूओयू की क्षेत्रीय निदेशक डॉ. रश्मि पंत ने कहा कि कार्यशाला में 60 विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यशाला में एमबीपीजी कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. चारू ढौंडियाल, डॉ. वीके सिंह, डॉ. प्रेम प्रकाश, डॉ. लीला तिवारी, डॉ. बीआर पंत ने विषयों से संबधित व्याख्यान दिया। इस अवसर पर मुक्त विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. शालिनी सिंह, डॉ. श्याम कुंजवाल, डॉ. मुक्ता जोशी, डॉ. कीर्तिका पडलिया, डॉ. प्रदीप कुमार पंत, डा. राजेश मठपाल तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. संजय कुमार, डा. एससी मिश्रा एवं क्षेत्रीय कार्यालय के मनोज शर्मा आदि मौजूद रहे।